कहाँ पूरी होती है दिल की सारी ख्वाहिशें,
कि बारिश भी हो, यार भी हो और, पास भी हो...!!

- जिंदगी में प्यार हिस्सों में मिलेगा
  कभी टुकड़ों में तो कभी किश्तों में मिलेगा
  कभी न चाहते हुए भी बेहिसाब मिलेगा
  कभी मर जायोगे पर न में ही जवाब मिलेगा
  इसीलिए इश्क जब भी मिले जहां भी और जिससे भी
  उसे ठुकराना मत, किसी का दिल जलाना मत
  बाहें खोल कर अपनाना और दिल खोल कर बतलाना
  और वक़्त गुज़र जाये जब तो हँसते हँसते भुलाना
  क्यूंकि याद रखना जिंदगी में प्यार हिस्सों में मिलेगा
  न पूरा कभी किसी को मिला है न मिलेगा

- सुनो
  तुम मुझे सबसे पहले न
  रखो या न रखो
  लेकिन जहाँ मुझे रखो
  वहां किसी और को
  मत रखना

- जुड़े रहने के लिया बेइन्तहा
  भरोसा चाहिए
  और बिछड़ने के लिए
  बस एक गलतफ़हमी काफी है

- करवट करवट रात कटी है
  नींद न आई आँखों में
  यादों ने उलझाये रखा
  जाने किन किन बातों में

- उसने कहा हम उम्र में बड़े है तुमसे
  हमने कहा आप प्यार ज्यादा कर लेना हमसे!!

- चाय के कप में केवल
  चाय ही नहीं होती,
  "चाह" होती है
  साथ बैठने की!

- आप सारे फूलों को कुचल सकते हो
  पर बसंत का आना नहीं रोक सकते

- चंद लम्हें जो गुजारे है
  तेरे साथ
  ना जाने कितने बरस मेरे काम
  आयेंगे...!!

- तुझे एक बार देखा
  तो ये दिल ने दी दुआएँ
  तुझे बार बार देखें
  तुझे देखते ही जाएँ

- "हश्र कुछ यूँ हुआ ज़िंदगी की किताब का
  मैं जिल्द संवारता रहा और पन्ने बिखर गए "

- इश्क में हद से गुजरता कौन है
  इश्क हो जाता है करता कौन है।
  वो जो न आए तो नींद आए किसे
  वो जो आ जाए तो सोता कौन है।

- मैंने उसकी तरफ से .खत लिक्खा
  और अपने पते पे भेज दिया।

- "चुप हो गया हूँ आपकी सूरत को देखकर,
  करनी थीं आप से मुझे कितनी शिकायतें !"
  - अदम

- कितनी मासूम सी तमन्ना है...
  नाम अपना तेरी ज़बां से सुनूँ...
  - शहरयार

- रात दिन साथ साथ रहता था
  आज उस से दुआ सलाम नहीं
  जब जिसे चाहिए बुरा कहिये
  इससे आसान कोई काम नहीं----- अतुल अजनबी

- प्रेम का एक छोर होता है
  दूसरा कहीं नहीं होता,
  प्रेम आरम्भ होता है
  समाप्त कभी नहीं होता.

तुम भी हमीं हो,
हम भी तुम्हीं हैं

- जानती हूं अब कभी,
  गुजरे हुए पल,
  वापस नहीं आएंगे..
  फिर क्यों लगता है,
  तुम आवाज़ दोगे....

  जानती हूं फिर कभी,
  नहीं मुलाकात होगी,
  फिर क्यों लगता है,
  तुम इंतज़ार करोगे....

  जानती हूं मेरे आंसू,
  नहीं दिखेंगे तुम्हें,
  फिर क्यों लगता है,
  तुम पोंछ दोगे.....

  जानती हूं नहीं आएगा वो दौर,
  फिर क्यों लगता है,
  तुम मुझे याद करोगे,
  जानती हूं अलग हो गए हैं रास्ते,
  फिर भी क्या तुम मेरी तलाश करोगे.....??

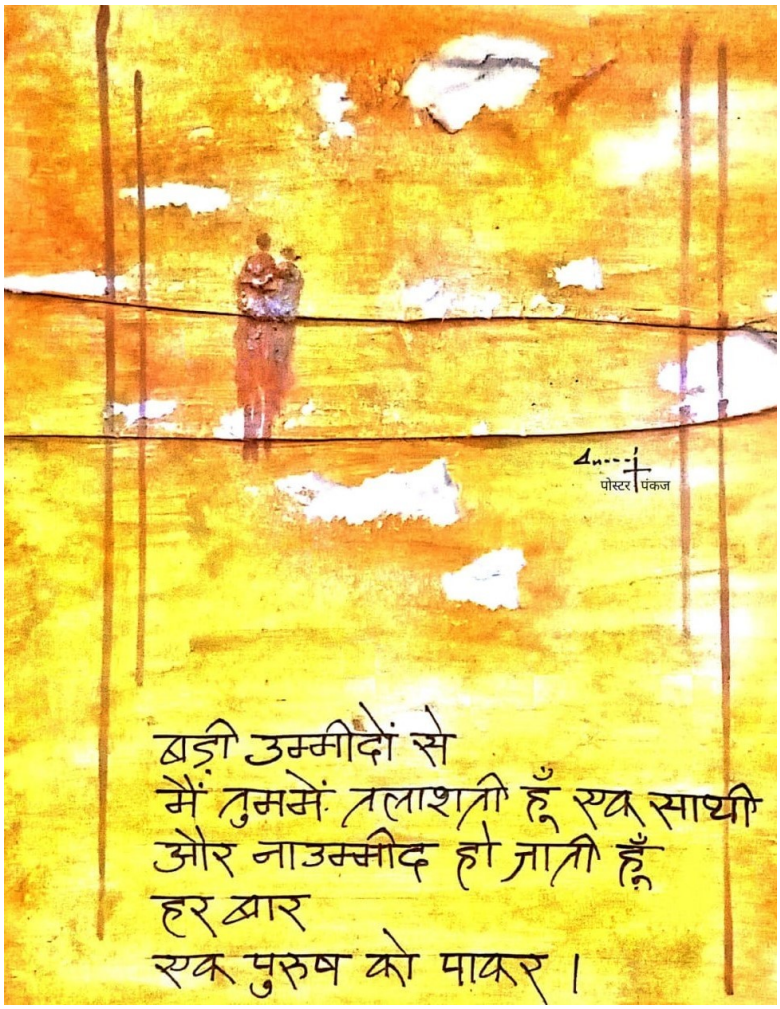

- लिखते हैं हम सदा उनके लिऐ..
  जिन्होने हमे कभी पढा ही नहीं....

- एक वक्त पर जाकर ये महसूस होता है की,
  बेहतर होता अगर हम कुछ लोगो से मिले ही न होते___!!!

- सहमी हुई है झोंपड़ी बारिश के ख़ौफ़ से
  महलों की आरज़ू है कि बरसात तेज़ हो

- धूप का मौसम बारिश में बदल जाता है,
  जब भी तेरा ख्याल जहन में आता है !!

- कुछ लम्हें चुराना चाहता है मन
  खुद के लिए
  बिना कुछ सोचे
  बिना कुछ कहे
  जहां न आंखों की नमी हो
  जब न मुस्कुराहट में कमी हो
  जब न दिल उदास हो
  जब न कोई आसपास हो
  जब न खुद से कोई सवाल हो
  जब न कोई नाउम्मीदी हो
  जब उमंग उत्साह और ख़्वाब साकार हो
  ज़िन्दगी सरल सहज और मेरी अपनी सी राह हो

- **Beauty is never found in perfection, rather in the unique imperfections that tell our stories**

- सुंदरता कभी भी पूर्णता में नहीं पाई जाती, बल्कि उन अनोखी खामियों में पाई जाती है जो हमारी कहानियाँ बताती हैं
  ----------—-

- कहना कुछ चाहते थे ...
  कह कुछ गये...
  "तुम" पास से क्या गुजरे...
  लफ्ज़ ही मचल गये....

- तुझे पाए बग़ैर कितनी मुहब्बत की मैंने तुझसे
  तू मुकम्मल मेरा होता तो क्या होता.....!!!!

- बारे दुनिया में रहो ग़मज़दा या शाद रहो
  ऐसा कुछ कर के चलो यॉ की बहुत याद रहो...
  -मीर

- वो मेरा हैं, वो मेरा हैं
  का, शोर मत करना,...
  मैं उसकी हूँ कह सको तो
  इश्क़ करना...!

- इक और सुबह जा रही ज़िंदगी की
  एक और दिन आ रहा ज़िंदगी का
  ये मत सोचो कितने लम्हें हैं ज़िंदगी में
  ये सोचो कितनी ज़िंदगी है हर लम्हे में

- चुप मुझसे कोई एक हैं,
  चुप मैं हजारों से हूं !
    - जान एलिया

- खुद ही उठाना पड़ता है
  थका टूटा बदन अपना
  कि जब तक साँस चलती है
  कोई भी कंधा नहीं देता

- अंधेरे बाँटती फिरती है
  ज़ालिम
  यह दुनिया नाम लेकर
  रौशनी का

- आईए पास बैठिए मेरे
  मिल के कुछ फ़ासले बनाते हैं

- हम लोगों को रास नहीं आती
  मुफ़्त की चीजे
  हम जैसे लोग मुसीबतें भी
  मोल लेते हैं

ज़मीर बेच कर आए
जब ऊँचे दामों पर
रास्ते में सब लोग बधाई देने लगे

- इसीलिये तो मैं शेयरों में जान फूँकता हूँ
  ये ज़िंदा रखेंगे मुझको अगर मैं मर भी गया

- है साक्षी काशी का हर घाट
  होता था भजन आपका और शहनाई हमारी

- हमारे जैसे दुयायों
  में माँगे जाते हैं

- मेरी ख़ातिर ना सही और किसी की ख़ातिर
  तेरी ख़ुशबू ने बताया तू आया हुआ है

- कहाँ पूरी होती है दिल की सारी ख्वाहिशें
  कि बारिश भी हो
  यार भी हो और
  पास भी ही...!!

- उसने अपने प्रेम के लिए जगह बनाई
  बुहार कर अलग कर दिया तारों को
  सूर्य-चन्द्रमा को रख दिया एक तरफ़
  वनलताओं को हटाया
  उसने पृथ्वी को झाड़ा-पोंछा
  और आकाश की तहें ठीक कीं
  उसने अपने प्रेम के लिए जगह बनाई

  अशोक वाजपेयी

- दिवंगत हो जाते हैं सम्बन्ध ,
  पर...
  स्मृतियों का कोई तर्पण नहीं होता।

“हथ विच तुंबा पैरी झांजर
नच-2 लुड़ी पाई
मै पंज तत दी पुतली
उस फनकार दे हथ विच मेरे सांवा दी शहनाई
मै पंज तत दी पुतली
बस नाच करन लई आई”

- कैसे कहें कि तुमको भी हम से है वास्ता कोई
  तुमने तो हमसे आज तक कोई गिला नहीं किया
  - जान एलिया

- ये हुनर जो आ जाये, आपका ज़माना है
  पाँव किसके छूने है, सर कहाँ झुकाना
  ~ अस्तित्व अंकुर

- अक्सर मन के अहाते में
  टहलते हुए देखता हूँ मैं उसे
  एक नज़्म है मुझमें
  जो सोती नहीं रात भर
  रात की स्याही को धुलती रहती है
  अपने लफ़्ज़ों की चांदनी से
  कभी ख़ामोशियों को बुलाकर करती है बातें
  तो कभी मन की खिड़की से तकती रहती है आसमान
  कभी किसी रात जब मैं जग जाता हूँ,
  उसकी शरारतों से
  तो पास बुलाता हूँ उसे
  और कलम की थपकियां दे कर
  उजले कागज के बिछौने पर फिर सुलाता हूँ उसे।
  _____
  -हेमन्त परिहार

- वह पथ क्या, पथिक कुशलता क्या
  जिस पथ पर बिखरे शूल न हों
  नाविक की धैर्य परीक्षा क्या
  जब धाराएँ प्रतिकूल न हों ----- जय शंकर प्रसाद